चौराहों पर लगी ग्रीन नेट बनी मुसीबत, हादसे का खतरा बढ़ा

▶ लैंटर्न चौराहे पर दिखी लापरवाही

नवभारत न्यूज

इंदौर. इंदौर शहर के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े दोपहिया वाहन चालकों को धूप से राहत देने के लिए नगर निगम द्वारा ग्रीन नेट लगाई गई है. पिछले कुछ वर्षों से यह व्यवस्था की जा रही है, ताकि लोगों को तेज धूप में कुछ छांव मिल सके. लेकिन अब यही ग्रीन नेट सुविधा के बजाय परेशानी और हादसे का कारण बनती नजर आ रही है.

इसका ताजा उदाहरण लैंटर्न चौराहे पर देखने को मिला. यहां ग्रीन नेट को सही तरीके से नहीं बांधा गया, जिससे वह एक तरफ से निकल गई. नतीजतन, कई दोपहिया वाहन चालक इस ढीली नेट में उलझते नजर आए. स्थिति इतनी खतरनाक थी कि अगर किसी का ध्यान जरा भी भटकता, तो बड़ा हादसा हो सकता था.

▶ नवभारत प्रतिनिधि ने देखे हालात

जब नवभारत के प्रतिनिधि इस चौराहे से गुजरे, तो उन्होंने देखा कि वाहन चालक नेट के नीचे से सावधानीपूर्वक निकल रहे थे. कुछ लोग नेट को हटाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह बार-बार ढीली होकर नीचे आ जा रही थी. इस दौरान ट्रैफिक में अव्यवस्था साफ नजर आई.

बच्चों और परिवारों के लिए भी खतरा-कई वाहन चालकों के साथ बच्चे भी बैठे हुए थे. लोग किसी तरह नेट से बचते-बचाते निकलते दिखे. कुछ वाहन चालक तो इस परेशानी से बचने के लिए साइड से निकलने लगे, जिससे ट्रैफिक और अव्यवस्थित हो गया.

राहत कम, परेशानी ज्यादा-जहां यह नेट धूप से बचाव के लिए लगाई गई थी, वहीं यहां छांव से ज्यादा असुविधा देखने को मिली. कई लोगों को रुकने के बजाय जल्दी निकलने की कोशिश करते देखा गया, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ गया.

नगर निगम की लापरवाही पर सवाल

नगर निगम की इस लापरवाही ने साफ तौर पर दुर्घटना को न्योता दिया है. गनीमत रही कि अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन जिस तरह के हालात बने, उससे यह स्पष्ट है कि अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो यह व्यवस्था जानलेवा साबित हो सकती है.

जरूरी है तुरंत सुधार-आते-जाते लोगों का कहना है कि या तो इन नेट्स को ठीक से बांधा जाए या फिर इन्हें हटाया जाए, ताकि वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके. फिलहाल, यह सुविधा कम और खतरा ज्यादा बनती जा रही है.

इंदौर से मुंबई सफर हुआ आसान शुरू हुई सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

नवभारत न्यूज़

इंदौर. पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और बढ़ती मांग को देखते हुए इंदौर और मुंबई सेंट्रल के बीच विशेष किराये पर एसी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है. यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 17-17 फेरे लगाएगी.

ट्रेन संख्या 09079 मुंबई सेंट्रल-इंदौर एसी सुपरफास्ट स्पेशल हर रविवार और मंगलवार को रात 23.20 बजे मुंबई सेंट्रल से चलेगी और अगले दिन दोपहर 13.00 बजे इंदौर पहुंचेगी. यह सेवा 3 मई 2026 से 28 जून 2026 तक चलेगी. रास्ते में यह ट्रेन दाहोद, रतलाम और उज्जैन जैसे स्टेशनों पर रुकेगी.

वापसी में ट्रेन संख्या 09080 इंदौर-मुंबई सेंट्रल एसी सुपरफास्ट स्पेशल हर सोमवार और बुधवार को शाम 17.00 बजे इंदौर से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी. यह सेवा 4 मई 2026 से 29 जून 2026 तक उपलब्ध रहेगी, और उज्जैन, रतलाम व दाहोद स्टेशनों पर ठहराव होगा. दोनों ट्रेनों का ठहराव बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रहेगा. इस ट्रेन में केवल एसी 3-टियर कोच लगाए गए हैं. यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है, जहां से समय, ठहराव और अन्य जानकारी भी देखी जा सकती है.

जिंसी-लक्ष्मीबाई प्रतिमा मार्ग का जल्द शुरू होगा काम

▶ महापौर ने निर्माण को लेकर किया दौरा

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर की विवादित सड़कों में से एक जिंसी चौराहे से लक्ष्मीबाई चौराहे तक निर्माण को लेकर महापौर ने दौरा किया. इस दौरान उन्होंने रहवासियों को स्वयं अपने मकान हटाने के समझाइश दी. साथ ही रहवासियों को सड़क चौड़ाई में बाधक निर्माण हटाने का तीन दिन का समय दिया है.

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आज शहर के पुराने क्षेत्र जिंसी चौराहे से लक्ष्मीबाई चौराहे तक बनने वाली सड़क का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने मौके पर सड़क चौड़ाई का अवलोकन किया और रहवासियों से भी चर्चा की. महापौर ने प्रस्तावित सड़क मार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की जानकारी क्षेत्रीय रहवासियों को दी. महापौर ने कहा कि शहर में 23 मास्टर प्लान की शहर प्रमुख सड़कों का समय पर निर्माण बेहद आवश्यक है. नाले पर पुल निर्माण का काम शुरू हो चुका है, जिसके आगे बढ़ते ही सड़क निर्माण कार्य गति पकड़ेगा. उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वेच्छा से अपने बाधक हटाएं, ताकि सड़क निर्माण में बाधा न आए.

तीन दिन की मोहलत दी

महापौर ने कहा कि जिन लोगों ने अभी तक निर्माण नहीं हटाया है, उन्हें तीन दिन की मोहलत दी गई है. इसके बाद नगर निगम की टीम द्वारा बाधाओं को हटाया जाएगा. दौरे में महापौर के अलावा अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, स्थानीय पार्षद, जल कार्य प्रभारी राजेंद्र राठौड़, स्वच्छता प्रभारी अश्विनी शुक्ला सहित निगम के अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे.

डेली कॉलेज में नामांकन जांच पूरी, सुनवाई के बाद आएगी अंतिम सूची

▶ नियमों की सख्ती में दो दावेदार बाहर, कई नामांकन मंजूर

नवभारत न्यूज़

इंदौर. डेली कॉलेज में होने वाले बोर्ड ऑफ गवर्नर्स चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो गई है. 2 मई 2026 को चुनाव अधिकारी जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता ने सभी उम्मीदवारों के फॉर्म की स्क्रूटनी करते हुए स्पष्ट किया कि पूरी प्रक्रिया 27 अप्रैल को जारी दिशानिर्देशों के अनुसार ही संचालित की गई.

इन नियमों के तहत यह अनिवार्य था कि नामांकन फॉर्म केवल उम्मीदवार स्वयं या अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मूल प्राधिकरण पत्र के साथ ही लिए जाएं, फॉर्म किसी अन्य को ट्रांसफर नहीं किए जा सकते और भरे हुए फॉर्म उम्मीदवार को स्वयं पहचान प्रमाण के साथ जमा करने होते. जांच के दौरान फाउंडर डोनर्स श्रेणी में दो उम्मीदवारों के नामांकन गंभीर प्रक्रियात्मक त्रुटियों के कारण खारिज कर दिए गए. अनिरुद्ध प्रताप सिंह का फॉर्म इसलिए निरस्त हुआ क्योंकि उन्होंने स्वयं फॉर्म जमा नहीं किया, बल्कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमा कराया गया और वह फॉर्म किसी दूसरे के नाम पर जारी था, साथ ही कोई वैध प्राधिकरण पत्र भी प्रस्तुत नहीं किया गया. इसी तरह नरेंद्र सिंह बिडवाल के मामले में भी कई खामियां सामने आईं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से फॉर्म जमा न करना, अधिकृत पत्र का अभाव, पहचान पत्र और फॉर्म में नाम का मेल न होना तथा हस्ताक्षर का सत्यापन न हो पाना शामिल है. इन सभी को गंभीर उल्लंघन मानते हुए उनका नामांकन रद्द कर दिया गया. वहीं इसी श्रेणी में देवास के विक्रम सिंह पवार और प्रियव्रत सिंह खींची के नामांकन स्वीकार कर लिए गए, क्योंकि दोनों ने नियमों का पालन करते हुए व्यक्तिगत रूप से फॉर्म प्राप्त और जमा किए तथा उनके दस्तावेज पूरी तरह सही पाए गए.

न्यू डोनर्स श्रेणी में अधिकांश उम्मीदवारों को राहत

न्यू डोनर्स श्रेणी में अधिकांश उम्मीदवारों को राहत मिली. राजेश अग्रवाल और हरपाल सिंह भाटिया के फॉर्म सही प्रक्रिया के तहत जमा होने पर स्वीकार किए गए. संदीप पारेख के दस्तावेजों में पिता के नाम की वर्तनी में मामूली अंतर होने के बावजूद इसे गंभीर त्रुटि नहीं माना गया और उनका नामांकन भी स्वीकार कर लिया गया. जयेश पटेल के दो फॉर्म में से एक को सही पाए जाने पर स्वीकार किया गया, जबकि दूसरे में प्रस्तावक के नाम में ओवरराइटिंग के कारण उसे खारिज कर दिया गया. मनवीर सिंह बियास के मामले में रजिस्टर में हस्ताक्षर न होने के बावजूद सीसीटीवी और वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर उनकी उपस्थिति की पुष्टि की गई और उनका फॉर्म स्वीकार किया गया. नीरज देसाई का नामांकन भी व्यक्तिगत सत्यापन के बाद मान्य कर दिया गया, जबकि गुरमीत सिंह भाटिया ने अपने नामांकन स्वयं वापस ले लिए.

बात रखने का अवसर दिया- चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जिन उम्मीदवारों के नामांकन खारिज किए गए हैं, उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा. इसके लिए 3 मई 2026 को डेली कॉलेज के दरबार हॉल स्थित चुनाव कार्यालय में सुनवाई आयोजित की जाएगी. इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद अंतिम उम्मीदवारों की सूची आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी.

किला मैदान झोन पर पार्षद और अधिकारी में विवाद

▶ ड्रेनेज लाइन का काम बंद होने को लेकर हुई जमकर बहस

नव भारत न्यूज

इंदौर. शनिवार को नगर निगम के झोन 3 पर पार्षद और अधिकारी कर बीच जमकर विवाद हुआ. विवाद के दौरान कुछ दस्तावेज फाड़ने की भी चर्चा है. विवाद ड्रेनेज लाइन का काम बंद होने को लेकर हुआ है. पार्षद का आरोप है कि ठेकेदार को नोटिस देकर काम बंद करवाया है. वहीं अधिकारी का कहना है कि प्रशिक्षित कर्मचारियों से काम नहीं करने को लेकर ठेकेदार को नोटिस जारी किया है, ना की काम बंद करने का नोटिस दिया है.

नगर निगम के किला मैदान झोन पर आज सुबह वार्ड 9 के पार्षद राहुल जायसवाल और उपयंत्री मनीषा राणा के बीच जमकर तू तू मैं मैं हुई. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वार्ड 9 में गाडराखेड़ी क्षेत्र में ड्रेनेज लाइन का काम बंद करने को लेकर पार्षद ने उपयंत्री मनीषा राणा से विवाद किया. उनके कक्ष में फाइल के दस्तावेज फाड़ दिए. हालांकि दस्तावेज फाड़ने के दोनों पक्ष इनकार कर रहे हैं. मामला यह सामने आया है कि निगम इंजीनियर मनीषा राणा ने गाडराखेड़ी में ड्रेनेज लाइन में प्रशिक्षित कर्मचारियों से काम नहीं करवाने को लेकर ठेकेदार को नोटिस दिया था. साथ ही उन्होंने प्रशिक्षित कर्मचारियों से काम करवाने का ठेकेदार से कहा है. पार्षद का आरोप है कि क्षेत्र में काम बंद करने का अधिकारी ने कहा है. हंगामा बढ़ते देख कई पार्षद और अधिकारी मौके पर पहुंचे. झोन अध्यक्ष मनोज मिश्रा, पार्षद पति दीपू यादव, टीनू कश्यप सहित झोन अधिकारी विनोद अग्रवाल ने स्थिति संभाली.

वरिष्ठ अधिकारियों को दी जानकारी

उपयंत्री मनीषा राणा ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दे दी है. आगे वे ही निर्णय करेंगे. मुझे झोन पर आए सिर्फ एक महीना हुआ है. मैंने काम बंद करने का नोटिस नहीं दिया है. वहीं कर्मचारी संघ के केदार यादव ने कहा कि पार्षद अधिकारियों पर गलत काम करवाने का दबाव बनाकर विवाद कर रहे है.

अन्य जगह काम करवाना चाह रही थी-पार्षद राहुल जायसवाल ने कहा कि मेरे क्षेत्र की स्वीकृत फाइल से अन्य जगह का कार्य करवाना चाह रही थी. इसको लेकर ठेकेदार से कम बंद करवा दिया. झोन गया और कहा कि मेरे क्षेत्र की स्वीकृत फाइल से आप अन्य जगह पर काम नहीं करवाए. झोनल अधिकारी विनोद अग्रवाल ने बैठक में होने का कह कर बाद में बात करने का कहा है.

आड़ बंदोला से हुआ नारी शक्ति का वंदन

▶ श्रीमाली ब्राह्मण समाज की गौरवशाली परंपरा

▶ बेटी ने प्राचीन परंपरा का किया निर्वहन

इंदौर. मारवाड़ी संस्कृति की जड़ों को संजोए श्रीमाली ब्राह्मण समाज में 'आड़ बंदोला' की परंपरा आज भी अत्यंत हर्षोल्लास के साथ निभाई जा रही है. हाल ही में डॉ. देवेंद्र त्रिवेदी एवं निधि त्रिवेदी की सुपुत्री ग्रीष्मा त्रिवेदी के विवाह के अवसर पर इस अनूठी रस्म का भव्य नजारा देखने को मिला. परिणय सूत्र में बंधने जा रही ग्रीष्मा ने इस प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए घोड़ी पर सवार होकर अपनी बिंदौरी निकाली.

इस परंपरा के अंतर्गत दुल्हन को दूल्हे की भांति ही शाही अंदाज में घोड़ी पर बैठाया जाता है. डॉ. देवेंद्र त्रिवेदी और निधि त्रिवेदी ने अपनी सुपुत्री से यह रस्म निभवाकर समाज को यह संदेश दिया कि बेटी और बेटे के मान-सम्मान में कोई भेद नहीं है. पारंपरिक परिधानों में सजी दुल्हन जब गाजे-बाजे के साथ निकली, तो कन्या पक्ष के सभी परिजनों और सगे-संबंधियों ने नाचते-गाते हुए इस उत्सव को यादगार बनाया.

नारी शक्ति का जयघोष

आड़ बंदोला वास्तव में नारी शक्ति के सामर्थ्य और आत्मविश्वास को प्रदर्शित करने का उत्सव है. श्रीमाली ब्राह्मण समाज की यह रीति सदियों पुरानी है, जो आज के आधुनिक दौर में नारी शक्ति वंदन के संकल्प को साक्षात चरितार्थ करती है. समाज द्वारा बेटी को यह गौरव प्रदान करना यह दर्शाता है कि वह परिवार और समाज की रीढ़ है.

शहरी क्षेत्र में नगर वन स्थापित करने पर जोर

▶ नगरीय प्रशासन आयुक्त ने जल संचयन अभियान की ली बैठक

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज नगरीय प्रशासन आयुक्त ने बीसीसी में जल संचय अभियान की समीक्षा बैठक ली. बैठक में जल संवर्धन के विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से सिलसिलेवार चर्चा की. वर्षा जल संवर्धन में जन भागीदारी से कार्य करने और जोड़ने के आदेश दिए गए.

बीसीसी में नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा जल संचयन भागीदारी के संबंध में समीक्षा बैठक ली गई. बैठक में निर्धारित लक्ष्य को समय सीमा में पूर्ण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया. इसके साथ ही नगरीय प्रशासन आयुक्त भोंडवे द्वारा स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा भी की गई. बैठक के दौरान नगर निगम एवं जिले की अन्य निकायों को आगामी समय में स्वच्छता सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखकर स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के आदेश दिए. समीक्षा के दौरान आयुक्त क्षितिज सिंघल, आईडीए सीईओ डॉ परीक्षित झाड़े, उप सचिव दिव्यांक सिंह, अपर आयुक्त प्रखर सिंह, अर्थ जैन, आशीष पाठक, संयुक्त संचालक एसके सिन्हा, अधीक्षण यंत्री प्रदीप निगम, मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशिकांत शुक्ला, परागी गोयल, राजेंद्र रघुवंशी मौजूद थे.

▶ इन कार्यों को करने के दिए निर्देश

1. रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य समय सीमा में पूरा करें।
2. भवन निर्माण की अनुमतियों के अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग काम पूरा होने पर कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी किया जाए और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाए.
3. शासकीय भवनों,बड़े संस्थानों, व्यावसायिक संस्थान, औद्योगिक एवं वेयरहाउस पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग का काम प्राथमिकता से किया जाएं.
4. शहर भर में टोटी अभियान चला कर में नलों से बहने वाले जल को बर्बादी से रोका जा सके.
5. शहरी क्षेत्र में नगर वन स्थापित किया जाए. साथ ही आगामी वर्षा ऋतु पूर्व पौधा रोपण स्थान को चिन्हित कर योजना बनाई जाएं.
6. शहर में कार्य करने वाले सामाजिक संगठनों को जल संचयन भागीदारी अभियान में जोड़ा जाए.

एक नजर में

एक्सिस बैंक ने पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा खोली

इंदौर. एक्सिस बैंक ने आज नई दिल्ली के कैपिटल ग्रीन, डीएलएफ मिडटाउन प्लाजा में अपनी पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा का उद्घाटन किया. यह नई शाखा एडवांस ऑटोमेशन, उच्च स्तरीय सुरक्षा और आधुनिक लॉकर सेवाओं के माध्यम से सुरक्षित बैंकिंग को नए रूप में प्रस्तुत करने की दिशा में बैंक का एक महत्वपूर्ण कदम है. इस शाखा का उद्घाटन एम. नागराजू, आईएएस, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और डीएलएफ के प्रबंध निदेशक अशोक त्यागी ने किया. इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ नेतृत्व, जिनमें प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ चौधरी और कार्यकारी निदेशक मुनिश शारदा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे. एक्सिस बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ चौधरी ने कहा एक्सिस बैंक में हमारा ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण हमें ग्राहकों की बदलती जरूरतों को समझने और उनके लिए नवाचारपूर्ण समाधान तैयार करने के लिए प्रेरित करता है. यह पहल आधुनिक शहरी और प्रीमियम जीवनशैली के अनुरूप एक इकोसिस्टम-आधारित बैंकिंग मॉडल की दिशा में हमारे विजन को दर्शाती है.

एनपीएसएफ में मप्र व झारखंड के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

इंदौर, अप्रैल, 2026ः मैरिको लिमिटेड के प्रमुख निहार शांति पाठशाला फनवाला (एनएसपीएफ) कार्यक्रम ने पिछले सप्ताह आयोजित राष्ट्रीय वर्ड पावर चैंपियनशिप 2026 के सफल समापन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की. इस चैंपियनशिप में क्षेत्रीय भाषा माध्यम के सरकारी स्कूलों के प्रभावशाली अंग्रेज़ी सीखने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिसमें मध्य प्रदेश और झारखंड के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने विशेष पहचान बनाई. इस बारे में बात करते हुए, मैरिको लिमिटेड के मुख्य विधिक अधिकारी, ग्रुप जनरल काउंसिल और सीएसआर समिति के सचिव, अमित भसीन ने कहा, निहार शांति पाठशाला फनवाला वर्ड पावर चैंपियनशिप भारत के शिक्षा तंत्र में सतत और उद्देश्य-आधारित सहयोग के प्रभाव का एक सशक्त उदाहरण है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और निपुण भारत मिशन के अनुरूप, यह कार्यक्रम बुनियादी भाषा और साक्षरता के परिणामों को सुदृढ़ कर रहा है, साथ ही क्षेत्रीय भाषा माध्यम के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली अंग्रेज़ी शिक्षा की पहुँच का विस्तार भी कर रहा है.

मतलानी गार्डन में हास्य का विशेष आयोजन आज

इन्दौर. मई माह के पहले रविवार को प्रतिवर्ष मनाए जा रहे 'विश्व हास्य योग दिवस' के उपलक्ष्य में 3 मई को सुबह 7 बजे से पटेल नगर स्थित मतलानी गार्डन पर विशेष हास्य का आयोजन रखा गया है. समाजसेवी रामबाबू अग्रवाल ने बताया कि हंसने की पात्रता और योग्यता ईश्वर ने केवल इंसानों को ही प्रदान की है. यह ऐसी दवा है जो दिल की बीमारियों से भी बचाव करती है और इसका कोई साइड इफ़ेक्ट भी नहीं होता, क्योंकि तनाव के कारण ही दिल की बीमारी का खतरा बढ़ता है. ऐसे हुई विश्व हास्य दिवस की शुरुआत - अग्रवाल ने बताया कि विश्व हास्य दिवस की शुरुआत 10-11 जनवरी 1998 को मुंबई में हुई थी जब विश्व हास्य दिवस के नाम पर डॉ. मदन कटारिया ने 'लाफ्टर योग मूवमेंट' शुरू किया और तब भी उनका मकसद यही था कि लोग तनावमुक्त रहकर जीवन का आंनद लें तथा बीमारियों से दूर रहें. अग्रवाल ने शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और समाज बंधुओं से आग्रह किया कि वे दुनिया और देश के वर्तमान हालातों और व्यर्थ की आशंकाओं से उपजे तनाव से दूर रहकर वर्तमान में खुश रहना सीखें.